भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

PRESS RELEASE

14/07/2022 PANINDIA PRESS RELEASE

मुंबई, 14 जुलाई, 2022: भारतीय जीवन बीमा निगम ("एलआईसी") के निदेशक मंडल ने दिनांक 31 मार्च, 2022 तक की भारतीय एम्बेडेड मूल्य (आईईवी) रिपोर्ट 31 मार्च, 2022 को मंजूरी दी। आईईवी रिपोर्ट परिणामों की मुख्य विशेषताएं नीचे दी गई हैं।

भारतीय जीवन बीमा निगम ने 31 मार्च, 2022 तक की भारतीय एम्बेडेड मूल्य (आईईवी) का निर्धारण करने के लिए मेसर्स मिलिमैन एडवाइजर्स एलएलपी को नियुक्त किया था। भारतीय जीवन बीमा निगम के निदेशक मंडल ने आज,अपनी बैठक में भारतीय जीवन बीमा निगम की 31 मार्च, 2022 तक की भारतीय एम्बेडेड मूल्य (आईईवी) रिपोर्ट को अपनाया।

जैसा कि एलआईसी अधिनियम, 1956 की संशोधित धारा 24 के तहत अनिवार्य है, भारतीय जीवन बीमा निगम के निदेशक मंडल ने 8 जनवरी, 2022 को हुई अपनी बैठक में एकल फंड को अलग-अलग पार और नॉन-पार फंडों में विभाजित करने की मंजूरी दी थी और इस तरह के विभाजन का प्रभाव 31 मार्च, 2022 तक वित्तीय स्थिति में परिलक्षित हुआ है।

भारतीय जीवन बीमा निगम की 31 मार्च, 2022 तक की भारतीय एम्बेडेड मूल्य (आईईवी) 5,41,492 करोड़ रुपये (रु.5,414.9 बिलियन) निर्धारित किया गया है, जबकि 31 मार्च, 2021 को यह मूल्य 95,605 करोड़ रुपये (रु.956 बिलियन) था और 30 सितंबर, 2021 को, .5,39,686 करोड़ (रु.5,397 बिलियन) था। एलआईसी अधिनियम में वित्तीय वर्ष २०२१-२२ में हुए सुधार के कारण, भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा किए गए फंड के विभाजन के कारण 30 सितंबर, 2021 तक का भारतीय एम्बेडेड मूल्य (आईईवी) ३१ मार्च 2021 के भारतीय एम्बेडेड मूल्य (आईईवी)की तुलना में काफी अधिक था ।

३१ मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए नए व्यवसाय का मूल्य (VNB) 7,619 करोड़ रुपये (रु..76.19 बिलियन) निर्धारित किया गया है, जबकि 31 मार्च, 2021 को समाप्त हुए वर्ष के लिए 4,167 करोड़ रुपये (रु.41.67 बिलियन) था। साथ ही, 30 सितंबर, 2021 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए वीएनबी 1,583 करोड़ रुपये (रु.15.83 बिलियन) था।

31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए VNB मार्जिन 15.1% एवं 31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए VNB मार्जिन 9.9% था।
31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए वार्षिक प्रीमियम समतुल्य (एपीई) रु. 50,390 करोड़ (रु. 503.90 बिलियन) है। 31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए एपीई 45,588 करोड़ रुपये (रु. 455.88 बिलियन) था और 31 मार्च, 2021 को समाप्त अवधि को वीएनबी निकालने के लिए 42,170 करोड़ (रु 421.70 बिलियन) एपीई लिया गया । इसके अलावा मार्च 31,2022 को समाप्त अवधि के लिए, व्यक्तिगत व्यवसाय और समूह व्यवसाय का एपीई क्रमशः 35,572 करोड़ रुपये (रु. 3,55.72 बिलियन) और 14,818 करोड़ रुपये (रु. 148.18 बिलियन) था। इसलिए, एपीई में व्यक्तिगत व्यवसाय का 70.59% और समूह व्यवसाय का 29.41% हिस्सा था। इसके अलावा, एपीई में व्यक्तिगत व्यवसाय में से, पार व्यापार की हिस्सेदारी 92.88% थी, जबकि शेष 7.12% नान-पार व्यवसाय की थी ।

रिर्ट्न ऑन एम्बेडेड मूल्य (आरओइवि) मार्च 2021 की 36.9% की तुलना में मार्च,21- 2022 के लिए 11.9% है। यह स्पष्ट किया जाता है कि यह गणना, वित्तीय वर्ष 2021-22 . में एकल लाईफ फंड को अलग-अलग पार और नॉन -पार फंडों में विभाजित करने के प्रभाव को समहित करने के बाद की गयी है ।

मुंबई में दिनांक 14 जुलाई, 2022।
अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें: कार्यकारी निदेशक (सीसी)
एलआईसी ऑफ इंडिया, सेंट्रल ऑफिस, मुंबई। ईमेल आईडी:ed_cc@licindia.com

---

Webelievethat thenewscontainedin this releaseis ofvalueto yourreaders.Whilewe would thank you to publish it as soon as possible, we also readily recognize that the decision to dosorestsentirelywithyou.